तू आजा गोगा के दर पे | By Divyashakti

बदरिया बरसे रे
बिजुरिया गरजे रे
तू आजा घर से रे

बदरिया बरसे रे
बिजुरिया गरजे रे
तू आजा घर से रे
गोगा के दर पे रे

साधो चले महंत चले
जाती है ये दुनिया सारी
दर्शन करे नर नारी
गोगा के दर से रे
झोलियाँ भर के रे
तू आजा घर से रे
गोगा के दर पे रे

गोगा मिले विपदा टले
शान प्रभु की निराली
लौटे कोई भी ना खाली
नसीबा चमके रे
मुकद्दर डंके रे
तू आजा घर से रे
गोगा के दर पे रे

गोगा मेरे दर पे तेरे
आते हैं लाखों सवाली
विपदा सभी की है टाली
तू दर्शन कर ले रे
रे झोलियाँ भर ले रे
तू आजा घर से रे
गोगा के दर पे रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-divyashakti/